Newton's Academy

हिंदी लोकभारती

समय: २ घंटे **कुल अंक: ४०**

सूचनाएँ:

(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

कई वर्षों की बात है। एक पुराना गाँव था। एक आदमी न जाने कहाँ से भटकता हुआ दूर-दराज के उस गाँव में आ पहुँचा था। गाँव के कुत्तों ने जब चीथड़ों में लिपटे उस अजीब आदमी को देखा तो उन्हें वह कोई पागल लगा। वे उस पर बेतहाशा भौंकने लगे। गाँव के बच्चे खेल रहे थे। कुत्तों की देखा-देखी गाँव के बच्चे भी पूरी दोपहर उसे छेड़ते और तंग करते रहे। आश्चर्य की बात यह थी कि वह आदमी उन बच्चों को कुछ बोल नहीं रहा था। संयोग से किसी भले आदमी ने गाँव के बच्चों को उस पर पत्थर फेंकते हुए देख लिया। जब वह भला आदमी उस आदमी के करीब गया तो उसके चेहरे पर मौजूद खोएपन के भाव के बावजूद उसे उसमें गरिमा के चिह्न दिखे। 'यह आदमी पागल नहीं हो सकता' – उसने सोचा। गाँव के उस आगंतुक भले व्यक्ति ने उस आदमी से उसका नाम, पता पूछा, पर वह कोई उत्तर नहीं दे सका।

1. कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

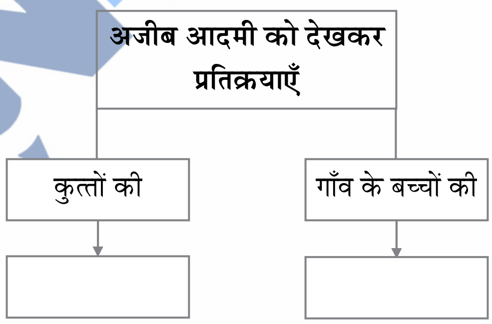

2. गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए:

i. समानार्थी शब्द **[1]**

(1) गौरव –

(2) अचरज –

ii. शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए: **[1]**

(1) पहले से तिथि, समय आदि की सूचना दिए बिना अचानक आने वाला –

(2) बहुत घबराकर और बिना सोचे समझे –

3. 'मनुष्य की पहचान गुणों से होती है।' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

> एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया – सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कही कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे-धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते है। अपनी इस कीर्ति से साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

1. वाक्य पूर्ण कीजिए: **[2]**

i. सारे नगर में समाचार फैलने लगा कि ....

ii. साधु के बारे में लोग कहते थे कि ....

2. गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[2]**

i. शब्द-युग्म:

(1) ....

(2) ....

ii. विलोम शब्द:

(1) असफलता × ....

(2) अपकीर्ति × ....

3. समाप्त होते जा रहे बहुरूपियों के पेशे के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

NEWTON'S ACADEMY

विभाग 2 – पद्य: 8 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।

एक यहाँ पर नहीं अकेला होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती मएं तरु गीत सुनाएँ।

1. कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

बादल के बरसने पर ....

- आँखें खोलीं – ....
- चारों ओर फैली – ....
- मुस्काएँ – ....
- गीत सुनाएँ – ....

2. उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का 25 से 30 शब्दों में सरल अर्थ लिखिए। **[2]**

प्र.2.(आ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[4]**

मानुष हौं तो वही 'रसखान', बसौं मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्‍यो कर छत्र पुरंदर कारन।
जो खग हौं तो बसेरौ करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।
धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरै अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी।।

1. **तालिका पूर्ण कीजिए:** **[2]**

पद्यांश में उल्लेखित			
गाँव	प्राणी	नदी	वृक्ष
↓	↓	↓	↓

2. **उपर्युक्त पद्यांश की क्रमश: किन्हीं दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में सरल अर्थ लिखिए।** **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 8 अंक

3. **निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[8]**

1. **मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए:** **[1]**
   i. मसतक/मस्थक/मस्तक/मस्तख
   ii. खुबसुरत/खूबसुरत/खूबसूरत/खुबसूरत

2. **निम्नलिखत अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:** **[1]**
   i. धीरे-धीरे
   ii. इसलिए

3. **कृति पूर्ण कीजिए:** **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
....	सत् + जन	....

अथवा

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	....	....

4. **अधोरेखित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:** **[1]**

(यादों में जाग उठना, अंक में भर लेना)
बहुत सालों बाद मिले अपने बेटे को माँ ने गले लगाया।

अथवा

मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:
मुहावरा – चौपट हो जाना
अर्थ –
वाक्य –

NEWTON'S ACADEMY

5. i. निम्नलिखित वाक्य का काल भेद पहचानकर लिखिए: **[1]**
कहाँ तक चल रहे हैं?

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[1]**
(1) मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (सामान्य भविष्यकाल)
(2) मैंने सबकी बात सुनी है। (पूर्ण भूतकाल)

6. वाक्य भेद तथा परिवर्तन: **[2]**
i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
स्टेशन मास्टर ने सिग्नल नहीं दिया और गाड़ी आउटर पर खड़ी रही।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:
(1) ओह! दिव्या मैं ठीक हूँ। (विधानार्थी वाक्य)
(2) अधिक वर्षा के लिए हम जिम्मेदार हैं। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 12 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **12**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अनिल/अनिता पाटील, गणेश नगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली समीर/समिरा जमादार, बुधवार पेठ, सांगली को छुट्टियों में अपने घर आमंत्रित करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

राहुल/रविना जाधव, 12, शिवाजी नगर, पुणे से सचिन स्पोर्ट्स, 30, चंदन नगर, नासिक को खेल सामग्री की माँग करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी लेखन: **[4]**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

घना-सा जंगल – एक कस्तूरी मृग – कस्तूरी की खुशबू चारों ओर फैलना – कस्तूरी मृग का हैरान होना – सुगंध की खोज करना – सुगंध महसूस करना पर दिखाई न देना – अंत में पता चलना – ।

अथवा

गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों:

राही मासूम रजा का जन्म 1 सितंबर 1927 को पूर्वी उत्तर प्रदेश गाजीपुर के गंगौली गाँव में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी से उर्दू साहित्य में पी-एच्. डी. करने के बाद उन्होंने कुछ साल तक वहीं अध्यापन कार्य किया। फिर वे मुंबई चले गए जहाँ सैकड़ों फिल्मों की पटकथा, संवाद और गीत लिखे। प्रसिद्ध धारावाहिक महाभारत की पटकथा और संवाद लेखन ने उन्हें इस क्षेत्र में सर्वाधिक ख्याति दिलाई। राही मासूम रजा एक ऐसे कवि-कथाकार थे जिनके लिए भारतीयता आदमीयता का पर्याय रही। इनके पूरे लेखन में आम हिंदुस्तानी की पीड़ा, दुख-दर्द, उसकी संघर्ष क्षमता की अभिव्यक्ति है।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:
(1) बाढ़पीड़ित की आत्मकथा
(2) यदि मैं अंतरिक्ष यात्री होता...

NEWTON'S ACADEMY